

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर



स्वच्छ

9 सितंबर को गणपति विसर्जन के बीच पर हमारा कार्यालय बंद रहेगा। इस कारण मुंबई हलचल का अगला संस्करण 12 सितंबर 2022 को प्रकाशित होगा।
—संपादक

मुंबई हलचल / संचादाता

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में सयान इलाके की झुग्गियों में रहने वाला जनतावादी कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष संतोष कट्टके आयकर विभाग की रडार पर है। बताया जा रहा है कि झुग्गी से चलने वाली इस पार्टी को 70-80 करोड़ का चंदा मिला है। इसी के महेनजर बुधवार को झुग्गी में संतोष कट्टके के घर पर आयकर विभाग ने रेड की। कहा जा रहा है कि संतोष की पार्टी साल 2014 में स्थापित हुई थी और तब से लेकर अबतक इसे 70-80 करोड़ का चंदा मिल चुका है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कई सवालों के जवाब तलाश रहा आयकर विभाग



मुंबई-ठाणे में मूसलाधार बरसात

जनजीवन अस्त व्यस्त



संचादाता
मुंबई। मुंबई-ठाणे में मूसलाधार बरसात होने की वजह से मुंबई लोकल ट्रेन सेवा बुरी तरह से प्रभावित हुई है। मध्य रेलवे से ठाणे, कर्जत और कसारा की दिशा में जाने वाले यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। सीएसएमटी स्टेशन पर ऑफिस से घर जाने के लिए निकले यात्री बड़ी तादाद में जमा हो गए और ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। ट्रेनें करीब 15-20 मिनट देरी से चल रही थीं। रेलवे ट्रैक में भरे हुए पानी को हटाने की कोशिशें जारी थीं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ट्रैक में पानी से ट्रेनें लेट



मुलुंड, भांडुप,
विक्रोली, कांजुरमार्ग,
घाटकोपर में बरसात से बिगड़े हालात

मुंबई के मुंब्रा इलाके के अमृत नगर और भाजी मार्केट में इलाके तालाब बनते हुए नजर आये। मुलुंड, भांडुप, विक्रोली, कांजुरमार्ग और घाटकोपर जैसे इलाकों में शाम से धूआधार बरसात हुई। भांडुप के कोकण नगर, सहयाद्री नगर, बुद्ध नगर, पठान तबेला में जगह-जगह पानी भर गया। इन इलाकों में मुंबई महानगरपालिका के प्रोजेक्ट की वजह से नालों की सफाई और मरम्मत का काम पूरा नहीं हो पाया। इससे हालात और खराब हो गए हैं। नालों का पानी धरों में घुस रहा है। पश्चिमी मुंबई में भी अंधेरी, कांदिवाली, बांरिवली, मालाड इलाकों में जोरदार बरसात हुई है।

नितिन उपाध्याय ने उत्तराखण्ड फिल्म नीति-2022 का ड्राफ्ट के बारे में लोगों को दी जानकारी

उत्तराखण्ड फिल्म विकास परिषद के नोडल अधिकारी नितिन उपाध्याय ने बताया कि उत्तराखण्ड फिल्म नीति-2022 का ड्राफ्ट लोगों के सुझाव हेतु विभागीय वेबसाइट पर दिनांक 20 जुलाई, 2022 से प्रकाशित किया गया है। उक्त प्रस्तावित फिल्म नीति-2022 पर यदि अभी भी कोई व्यक्ति सुझाव देने के इच्छुक हो तो दिनांक 15 सितंबर, 2022 तक विभागीय Email-ufdc2015@gmail.com पर प्रेषित कर सकते हैं। 15 सितंबर, 2022 तक प्राप्त सुझावों पर विचार करते हुए फिल्म नीति के ड्राफ्ट को अंतिम रूप देने की कार्यवाही की जायेगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)



नवनीत राणा का अमरावती में लव जिहाद का दावा झूठा

लड़की ने खुद घर से जाने की बात कबूली



अमरावती। अमरावती की सांसद नवनीत राणा ने जिस लड़की को अगवा किए जाने का आरोप लगाकर उसे लव जिहाद का मुद्दा बताया था सोनेपेट पुलिस स्टेशन में जाकर अधिकारी मनीष ठाकरे से हुज्जत करते हुए कहा था कि पुलिस मामले को दवा रही है, वह झूठा सबित हुआ है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मध्यरेलवे की सेवाएं हुई प्रभावित

हमारी बात**भारत-बांग्ला प्रेमालाप**

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्तमान भारत-यात्रा का महत्व क्या हमारे पड़ौसी देश समझ पा रहे हैं? पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और मालदीव में जैसी अफरा-तफरी आजकल मची हुई है, ऐसी पिछले 75 साल में कभी नहीं मची। ये सभी भारत के पड़ौसी देश चीन के चक्रव्यूह में फँसकर गदगाट थे। किसी देश में चीन बंदरगाह बना रहा है, किसी में हवाई अड्डे बना रहा है, किसी में सड़कें, रेलें और पुल बन रहे हैं और कहीं चीन लंबी अवधि के लिए द्वीप के द्वीप लीज पर लेकर सैनिक अड्डे खड़े कर रहा है लेकिन कुछ ही वर्षों में हमारे इन पड़ौसी देशों को पता चल गया है कि वे चीनी कर्जे के बोझ के नीचे दबते चले जा रहे हैं और ठोस उपलब्धि के नाम पर शून्य नजर आ रहा है। यों तो बांग्लादेश की स्थिति अन्य पड़ौसियों के मुकाबले बेहतर है और शेख हसीना के शासन-काल में उसकी सर्वविधि उन्नति भी काफी हुई है लेकिन बांग्लादेश की अरथ्यवरस्था भी डगमगाने लगी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आगे झोली फैलाने की नौबत अब बांग्लादेश पर भी आन पड़ी है। हसीना सरकार के विरोधी उस पर जमकर हमला बोल रहे हैं। प्रदर्शनों, जुलूसों और हड्डतालों का दौरदौरा शुरू हो गया है। ऐसे विकट समय में प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत-यात्रा का महत्व अपने आप असाधारण बन जाता है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश के प्रति प्रारंभ से ही अत्यंत स्नेहपूर्ण रवैया अपनाया है। उन्होंने प्राकृतिक संकट का मुकाबला करने के लिए बांग्लादेश की जो मदद प्रधानमंत्री बनते से ही की थी, उसे बांग्ला जनता अभी तक याद करती है। शेख हसीना की इस भारत-यात्रा के दौरान कुशियारा नदी के बारे में जो समझौता हुआ है, उससे दोनों देशों को लाभ होगा! तीस्ता नदी के बारे में भी रचनात्मक संकेत दोनों तरफ से मिले हैं। बांग्लादेश और भारत के बीच छोटी-मोटी 54 नदियां हैं। दोनों देशों के बीच 4000 किमी की सीमा है। बांग्लादेश आजकल ब्रिटेन की तरह भयंकर ऊर्जा-संकट से गुजर रहा है। दो बिलियन डॉलर की लागत से खुलना में बनने वाले बिजलीघर का दोनों नेताओं ने उदघाटन भी किया। इसमें भारत 1.6 बिलियन डॉलर लगाएगा। इसके अलावा बांग्लादेश की रेल्वे और सड़कों के निर्माण में भी भारत जमकर मदद करेगा। भारत लगभग 500 मिलियन डॉलर की मदद प्रतिरक्षा उपकरणों के लिए भी दे रहा है। बांग्लादेश को भारत तरह-तरह की फौजी सामान देने में भी सक्रिय सहयोग कर रहा है। इस समय भारत का पूरे दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा व्यापार बांग्लादेश के साथ है। पिछले साल आपसी व्यापार सिर्फ 10.78 बिलियल डॉलर का था। इस साल वह 44 प्रतिशत बढ़कर 18.13 बिलियन डॉलर का हो गया है। दोनों देश मिलकर अब एक वृहद व्यापार समझौते की तैयारी भी कर रहे हैं। दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ भी काटिबद्ध हैं। शेख हसीना को अपने सांप्रदायिक तत्वों के साथ जरा सख्ती बरतने की भी जरूरत है। यदि मोदी इस बात पर भी जोर देते तो अच्छा रहता।

राहुल की यह यात्रा कांग्रेस की किस्मत बदलने और उनकी खुद की छवि बदलने के साथ साथ भारत को जोड़ने वाली साबित हो सकती है, जिसकी आज सबसे ज्यादा जरूरत है। एक देश और समाज के नाते भारत जातियों, संप्रदायों और प्रांतों में बंटा हुआ है। क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए पहले से मौजूद विभाजन को गहरा किया गया है। राहुल को यह विभाजन मिटाना है और खाई को भरना है। इसलिए उनकी कामयाबी सिर्फ कांग्रेस के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि देश के लिए भी जरूरी है। अंत में कुंवर नारायण की दो पक्तियां- कोई दुख मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं, वहीं हारा जो लड़ा नहीं।



राहुल गांधी पदयात्रा पर निकले हैं। भारत के ज्ञात इतिहास की यह सबसे लंबी पदयात्रा है। वे साढ़े तीन हजार किलोमीटर पैदल चलेंगे। उनकी यात्रा 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरेगी। भारत की एकता, अखंडता और विश्वालता को बताने के लिए आम बोलचाल में 'कश्मीर से कन्याकुमारी' का जुमला बोला जाता है। राहुल कश्मीर से कन्याकुमारी की दूरी को अपने कदमों से नापें जा रहे हैं। वह बेहद महत्वाकांक्षी अभियान है। लेकिन जैसा कि खुद राहुल गांधी ने कहा कि उनके पास कोई रास्ता नहीं बचा तो जनता के बीच जाने का विकल्प चुनना पड़ा। यह विकल्प उन्हें पहले चुनना चाहिए था। फिर भी देर आए दुरुस्त आए! देर स ही सही वे अपनी पार्टी की किस्मत बदलने और अपनी छवि पर लगे या लगा दिए गए दाग को धोने निकले हैं। यात्रा का घोषित मकसद चाहे जो हो पर उसका असली मकसद यह है कि कांग्रेस की किस्मत और राहुल के बारे में बनी धारणा बदले।

इस यात्रा से ये दोनों मकसद हासिल हो सकते हैं। भारत में राजनीतिक यात्राओं के सफल होने का इतिहास रहा है। गांधी पैदल चले थे और एक चुटकी नमक बना कर उन्होंने अंग्रेजी राज की नींव हिला दी थी। आजाद भारत में जितने भी नेताओं ने पदयात्रा या रथयात्राएं कीं उनको कामयाबी मिली। चंद्रशेखर ने 1980 में जनता पार्टी के हारने और बिखर जाने के तीन साल बाद 1983 में कन्याकुमारी के उसी विवेकानंद स्मारक से अपनी भारत यात्रा शुरू की थी, जहां ब्रह्मांजलि देकर राहुल ने अपनी यात्रा शुरू की है। चंद्रशेखर को उसके बाद सात साल लगे लेकिन वे देश के प्रधानमंत्री बने। अंध्र प्रदेश के तीन नेताओं ने यात्रा एं कीं और तीनों को सत्ता हासिल करने में कामयाबी मिली। पहले एनटी रामाराव ने रथयात्रा की और उसके बहुत बाद में वार्डेस आर रेडी और फिर उनके बेटे जगन मोहन रेडी ने पदयात्रा की। 1984

में लोकसभा की दो सीटों पर सिमट गई भाजपा के नेता लालकृष्ण आडवाणी ने सोमानाथ से अयोध्या की यात्रा की तो भाजपा को सत्ता मिली। उभी कह सकते हैं कि हारे हुए लोग जब हिम्मत करके चलना शुरू करते हैं तो उन्हें देर-सबर मौजिल मिलती है।

हां, कुछ लोग ऐसे जरूर होते हैं, जिनको चलना शुरू करते ही मौजिल मिल जाती है। ऐसे लोग भाग्यशाली होते हैं। लेकिन जो लोग चलते हुए ठोकर खाकर गिरते हैं और फिर उठ कर चलना शुरू करते हैं, ऐसे लोग प्रेरणास्रोत बनते हैं, अनुकरणीय होते हैं। यह भी विचित्र बात है कि दुनिया हारे हुए लोगों को हेय दृष्टि से देखती है लेकिन उसी हारे हुए व्यक्ति के संघर्ष का सम्मान करती है, उसे सलाम करती है। अगर हारे हुए व्यक्ति का संघर्ष सफल हो जाए तो वह समृद्ध मंथन से मिले अमृत की तरह होता है और संघर्ष से तपा हुए व्यक्ति नया इतिहास लिखता है। दिनकर ने लिखा है- जब विघ्न सामने आते हैं, सोते से हमें जगते हैं, मन को मरोड़ते हैं पल-पल, तन को झंगोरते हैं पल-पल, सत्य की ओर लग कर ही, जाते हैं हमें जगा कर ही- जो लाश गृह में जलते हैं, वे ही सूरमा निकलते हैं, बढ़ कर विपत्तियों पर छा जा, मेरे किशोर! मेरे ताज! जीवन का रस छन जाने दे, तन को पथर बन जाने दे, तु स्वयं तेज भयकारी है, क्या कर सकती चिनगारी है, बरसों तक वन में धूम धूम, बाधा विच्छों को चूम धूम, सह धूप धाम पानी पथर, पांडव आए कुछ और निखर, सौभाग्य न सब दिन सोता है, देखें आगे क्या होता है! राहुल को अपनी इस यात्रा से सोते हुए सौभाग्य को जगाना है। राहुल के लिए न हार नई है और न दुख नए हैं। उन्होंने किशोर उम्र में अपनी दादी को आतंकवादियों की गोली खाकर मरते देखा है। जवानी की दहलाई पर खड़े राहुल ने अपने पिता की वीभत्स मौत देखी है। अपनी मां के ऊपर बेहद अभद्र और अश्वील हमले देखे हैं। वे जब राजनीति में उतरे तो कांग्रेस

को सत्ता मिली लेकिन खुद राहुल कभी उस सत्ता का हिस्सा नहीं बने। वे चाहते तो भारतीय राजनीति के शिखर पर पहुंचने यानी प्रधानमंत्री बनने का आसान रास्ता चुन सकते थे। उनके सामने प्रधानमंत्री बनने का मौका था। लेकिन उन्होंने मुश्किल रास्ता चुना। उस मुश्किल रास्ते पर वे लगातार हार का सामना कर रहे हैं। उनकी पार्टी दो बार से लोकसभा का चुनाव ऐसे हार रही है कि संसद के निचले सदन में कांग्रेस को मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा भी नहीं मिल पा रहा है।

राज्यों में लगातार कांग्रेस हार रही है। उनकी पार्टी छोड़ कर गए गुलाम नबी आजाद ने बताया है कि कांग्रेस पिछले आठ साल में राज्यों के 39 चुनाव हारी है। लेकिन आजाद ने यह नहीं बताया कि कितनी जगहों पर जीतने के बाद राहुल को हराया गया? कितने राज्यों में चुनाव जीत कर या चुनाव बाद गठबंधन करके सरकार बनाने के बाद कांग्रेस की सरकार गिराई गई? इन असफलताओं और साजिशों ने निश्चित रूप से उनको निराश किया होगा इसके बावजूद वे फिर कमर कस कर निकलते हैं तो उनका स्वागत होना चाहिए। वे नेहरू-गांधी परिवार की विरासत और परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इतिहास के साथ, नियति के साथ उस परिवार का एक वादा है, जिसे निभाने राहुल सड़क पर उतरे हैं। यह 137 साल पुरानी कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवित करने का सबसे बड़ा प्रयास है। अगर वे सफल होते हैं तो यह उनकी निजी सफलता नहीं होगी। यह इतिहास के प्रति उनका कर्तव्य निर्वहन होगा। भारत के महान लोकतंत्र के प्रति जिमेदारी निभाना होगा। इस सफलते में बहुत सी मुश्किलें आएंगी। उनका मुकाबला ऐसी ताकत से है, जिसे अपने विरोधियों के प्रति साम, दाम, डंड, भेट सारे उपाय आजमाने में कोई हिचक नहीं होती है। जिन साधनों से पिछले आठ-दस साल में राहुल गांधी की छवि बिगड़ने का सफल कार्य हुआ है। वो सारे साधन फिर आजमाए जाएंगे। यात्रा को विफल बनाने के सारे प्रयास होंगे। लेकिन इतिहास गवाह है कि ऐसे प्रयास अंततः असफल होते हैं।

राहुल की यह यात्रा कांग्रेस की किस्मत बदलने और उनकी खुद की छवि बदलने के साथ साथ भारत को जोड़ने वाली साबित हो सकती है, जिसकी आज सबसे ज्यादा जरूरत है। एक देश और समाज के नाते भारत जातियों, संप्रदायों और प्रांतों में बंटा हुआ है। क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए पहले से मौजूद विभाजन को गहरा किया गया है। राहुल को यह विभाजन मिटाना है और खाई को भरना है। इसलिए उनकी कामयाबी सिर्फ कांग्रेस के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि देश के लिए भी जरूरी है। अंत में कुंवर नारायण की दो पक्तियां- कोई दुख मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं, वहीं हारा जो लड़ा नहीं।

कानपुर में प्रत्यक्ष एनॉटमी प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में कौशल पूर्ण प्रतिभा का प्रदर्शन करने में सफल रहे नारायणा मेडिकल कॉलेज के छात्र छात्रायें

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां एम्बीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा प्रत्यक्ष एनॉटमी प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। एनॉटमी विभागाध्यक्ष डॉ आजमी महसिन के दिशा निर्देशन में मेडिकल शिक्षा के भी रूप में देश और समाज की सेवा में अग्रणी नारायण मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर पनकी में हुए। इस एक दिवसीय महात्वपूर्ण आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में गणेश शंकर विद्यार्थी चिकित्सा महाविद्यालय की एनॉटमी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सुनिता पांडे मौजूद रहीं। मेडिकल की उत्कृष्ट शिक्षा और सर्वोत्तम चिकित्सकीय सेवाओं वाले नारायण मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर गंगागंग घनकी में आयोजित की गई इस एनॉटमी प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य मेडिकल



कॉलेज में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को मॉडल के माध्यम से सीखना एवं उसका सही उपयोग करना सिखाना है। इस प्रदर्शनी में मेडिकल में प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा मेहनत लगन और कुशलता से एनॉटमी से संबंधित मॉडल

नारायण मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ वीरेंद्र कुमार एवं मुख्य अतिथि डॉ सुनिता पांडे द्वारा छात्र-छात्राओं के उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए श्रेष्ठ मॉडलों को पुरस्कृत भी किया गया। भव्य तरीके से आयोजित की गई इस प्रदर्शनी में बेहद परोपकारी स्वभाव के जाने-माने समाजसेवी संस्था के सचिव अमित नारायण तथा प्रबंध निदेशक उदित नारायण के साथ ही मेडिकल कॉलेज के अन्य वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा भी उत्साह वर्धन करते हुए आने वाले समय में छात्र-छात्राओं यानी नारायण मेडिकल कॉलेज के भावी डॉक्टरों से वह आशा व्यक्त की गई कि वह अपने वैज्ञानिक विद्यकोण अपने आत्म विश्वास एवं अपनी मजबूत इच्छा शक्ति से सदैव तत्पर रह कर देश और समाज के हित में कार्य करने में अग्रणी साबित हों।

चिंडिया गांधी गोकशी प्रकरण की नियन्त्रण जाँच हो : मुस्लिम महासभा

संवाददाता/सैव्यद अलताफ हुसैन

आमेट। मुस्लिम महासभा टीम आमेट द्वारा मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन, उपखण्ड अधिकारी निःसा सहारण को दिया गया जिसमें गांधी गोकशी प्रकरण में प्राइवेट व्यक्ति से लिए गए सैंपल सहित सभी सैंपलों की स्थिति स्पष्ट करने व निर्दोष भाईयों की धारा 169 में रिहाई करने वालत, भादरा के सर्व समाज द्वारा व संगठनों द्वारा काफी समय से बार बार यह मांग कि जा रही है कि मुकदमा सं. 222 / 22 पुलिस थाना भिरानी में लिए गए प्राइवेट व्यक्ति से सैंपल सहित सभी सैंपलों की स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। जिससे इलाका में भ्रम पैदा हो रहा है। सदियों से शार्तिप्रिय और गंगा जमुनी तहजीब की बेहतरीन मिसाल रहे भादरा और पूरे हनुमानगढ़ क्षेत्र का माहौल इस वक्त ऐसा हो गया है की एक समुदाय विशेष के लोगों के प्रति नफरत का माहौल बना दिया गया है। अब अगर सही



स्थिति को स्पष्ट करने में और ज्यादा वक्त लिया गया तो समुदाय विशेष के खिलाफ ये नफरत रूपी ज्वालामुखी कभी भी फट सकता है और कुछ भी अनहोनी घटना और जान माल की बहुत बड़ी क्षति का अदैशा है। मुस्लिम समाज आज खुली हवा में सांस तक नहीं ले पा रहा है और लोग डरे, सहमे और सदमे में हैं। जिसके चलते गांव के एक मुस्लिम लड़के ने खुदकुशी की कोशिश और इस प्रकरण के मुख्य आरोपी बनाए गए फारूक के

पिताजी हाजी मुहम्मद हारून की इस सदमे में मृत्यु तक हो चुकी है अब आगे और कुछ ऐसी घटना न घटे इसलिए इस पूरे प्रकरण की नियन्त्रण जाँच की प्रक्रिया को त्वरित गति से की जाए ताकि निर्दोष कोई फंसे ना ओर दोषी कोई बच ना पाए चाहे वो किसी भी समुदाय और जाती का क्यों ना हो। माननीय जी प्रकरण में प्राइवेट व्यक्ति से लिए गए सैंपल का जिक्र लोकसभा में भी हमारी लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री राहुल जी कसवां द्वारा किए जा चुका है उसके बावजूद भी राजस्थान सरकार के प्रशासनिक अधिकारी व जाँच एजेंसी अभी तक खुलासा नहीं कर पाए रहे हैं। अब अगर समय रहते गोकशी प्रकरण का खुलासा नहीं किया तो जन आंदोलन होगा के गणमान्य व्यक्ति घनस्थाम सिंह, उपाध्यक्ष फारुख शाह, अंसार मंसूरी, फिरोज मोहम्मद शेख आदि उपस्थित रहे।

आर्य समाज की बहादुरी के आगे हैदराबाद के निजाम ने घुटने टेके - राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान के द्वारा आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने देश भर की समस्त आर्य समाजों से अपील की है कि सभी 17 सितम्बर को 'हैदराबाद विजय दिवस' मनायें। उल्लेखनीय है कि आर्य समाज के सत्याग्रह व जेल भरो आंदोलन के कारण ही 17 सितम्बर 1948 को हैदराबाद का भारत में विलय हो पाया था। सर्वविदित ही है कि स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान रहा और हैदराबाद आंदोलन के कारण 17 सितम्बर 1948 को हैदराबाद के निजाम को घुटने टेकने पड़े और भारत में विलय स्वीकार किया। सर्वदिशक आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्कालीन प्रधान श्री रामगोपाल शालवाले (सांसद) के प्रयासों से हैदराबाद के सेनानियों को भारत सरकार ने 'स्वतंत्रता सेनानी' की मान्यता दी और प्रतिवर्ष



आर्य समाज दीवान हॉल दिल्ली में सेनानियों का अभिनंदन समारोह भी होता रहा है। लेकिन अब आजादी के 'अमर महोत्सव' में आर्य समाज व महर्षि दयानंद सरस्वती जी के योगदान की कहीं चर्चा नहीं हो रही यह चिनाजनक है, किसी ने कहा है। जब वक्त गुलशन पर पड़ा तो लहू हमने दिया, अब बहार आयी तो कहते हैं तेरा क्या काम है। अतः समस्त दिवस' सोल्लास नमायें और आर्य समाज के बलिदान व संघर्ष की बात समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचायें। अपनी बात सुनाने को अपने गले में ढोल डालना ही होगा। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण अर्य ने आहान किया कि सब मिलकर एक ऐसी मूवमेंट बनायें जिससे सच्चाई सबके सामने आ सके। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण अर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

भीलवाड़ा जिले व शहर में गणपति महोत्सव में ढूबे भक्त, विभिन्न परंपराओं के साथ प्रतियोगिताओं की धूम मची



मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़
राजस्थान। धार्मिक पर्व गणपति महोत्सव धीरे-धीरे परवान चढ़ रहा है इसके चलते शहर के विभिन्न गली मोहल्लों के हर नुक़ड़ पर गणपति स्थापना की गई 10 दिवसीय गणेश महोत्सव के पश्चात विभिन्न स्थानों पर परिवारिक प्रतियोगिताओं के कार्यक्रम की धूम मची है। जवाहर नगर श्री गणेश नवयुवक मंडल मैं डॉडिया प्रतियोगिताएं फैसी डेस प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं और परिवेषिक वितरण किए जा रहे हैं आयोजन में मुकेश

व्यास, पंकज शर्मा, मुकेश विश्नोई, पवन सिंह, मनीष सिंह उपस्थित थे। देव नारायण सेवा समिति गांधीनगर गाडरी खेड़ा में डॉडियों की धूम मची है बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताएं करा कर परितोषिक वितरण किए गए। पटेल नगर सेक्टर 11 मीरा सर्कल के पास शिव शक्ति महादेव मंदिर में विभिन्न प्रतियोगिता की जा रही है। इस अवसर पर सुशील सुखवाल, वशिष्ठ ढुबे कमलेश ज्ञा, शंकर सिंह उपस्थित थे। जय मंशापूर्ण माताजी गणेश उत्सव समिति में आज छप्पन भोग का आयोजन हुआ नृत्य, भजन

संध्या आयोजित की गई राजपाल सिंह, रामनिवास, दीपक मुवालका, लोकेंद्र सिंह सोलंकी सिंह सिंह उपस्थित थे। नवकार ग्रीन गणेश उत्सव समिति में आज विशाल छप्पन भोग लगाया सभी फ्लैट के परिवार उपस्थित होकर भजन संध्या कर महाआरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया जगदीश जेरलिया, कमल मोगरा, नरेश जोशी पवन मंत्री, अमित चौधरी उपस्थित थे। बापुनगर की टीटी राणी गणेश उत्सव समिति में आज विशाल सामूहिक छप्पन भोग लगाकर महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

युवाओं पर एनर्जी ड्रिंक का हो रहा खतरनाक असर

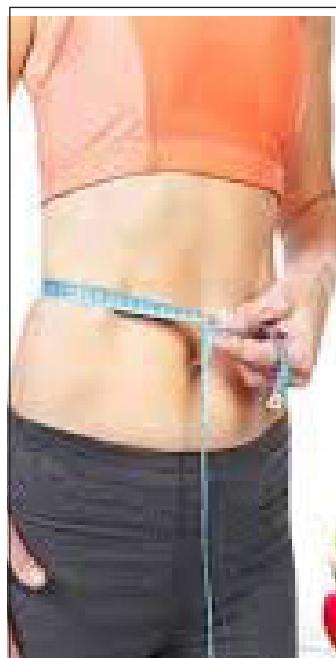
भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को चुस्त-दुरुस्त व फिट रखने के लिए आजकल युवाओं का ध्यान एनर्जी ड्रिंक की तरफ कुछ ज्यादा ही है। मगर यह एनर्जी ड्रिंक युवाओं को एनर्जी देने की अपेक्षा उनकी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर आप भी एनर्जी ड्रिंक पीते हैं तो सावधान हो जाएं। दरअसल, एक नए शोध से पता चला है कि एनर्जी ड्रिंक से युवाओं में दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इससे न केवल युवाओं का ब्लड प्रैशर बढ़ रहा है, बल्कि हार्ट अटैक तक का खतरा भी बना रहता है। रोजाना एनर्जी ड्रिंक लेने वाले युवाओं में तो कोई न कोई बीमारी घर कर चुकी है। कनाडा के ऑटारियो में वाटरलू यनिवर्सिटी में किए गए शोध में कहा गया है कि ऐसे ड्रिंक की बिक्री 16 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को करने से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

हाल ही में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 12 से 24 साल के 55 प्रतिशत बच्चों को एनर्जी ड्रिंक पीने के बाद स्वास्थ्य संबंधी गंभीर प्रभावों



से गुजरना पड़ा। इनमें हार्ट रेट तेज होने के साथ ही दिल के दौरे भी शामिल थे। शोधकर्ताओं ने 2000 से अधिक युवाओं से पूछा कि वह रैडबुल या मॉन्स्टर जैसे एनर्जी ड्रिंक को कितनी बार पीते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि

अन्य कैफीनयुक्त पेय की तुलना में जिस तरह से एनर्जी ड्रिंक का सेवन किया जाता है, उसे देखते हुए एनर्जी ड्रिंक अधिक खतरनाक हो सकते हैं। शोध में पाया गया कि जिन लोगों ने एनर्जी ड्रिंक का सेवन किया था, उनमें से 24.7 प्रतिशत लोगों ने महसूस किया कि उनके दिल की धड़कन तेज हो गई थी। वहीं, 24.1 प्रतिशत लोगों ने कहा कि इसे पीने के बाद उन्हें नींद नहीं आ रही थी। इसके अलावा 18.3 प्रतिशत लोगों ने सिरदर्द, 5.1 प्रतिशत ने दिल घबराने, उलटी या दस्त और 3.6 प्रतिशत लोगों ने छाती में दर्द का अनुभव किया। हालांकि शोधकर्ताओं के बीच चिंता का कारण यह था कि इन युवाओं ने एक या दो एनर्जी ड्रिंक ही लिए थे, फिर भी उन्हें ऐसे प्रतिकूल प्रभावों का अनुभव हो रहा था। अध्ययन के बारे में प्रो. डेविड हैमोंड का कहना है कि फिलहाल एनर्जी ड्रिंक खरीदने वाले बच्चों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। करियाने की दुकानों में बिक्री के साथ ही बच्चों को टारगेट करते हुए इसके विज्ञापन बनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि इन उत्पादों के स्वास्थ्य प्रभावों की निगरानी बढ़ाने की जरूरत है।



वजन नहीं बढ़ने देंगे कम फैट वाले ये हैल्दी फूड्स



खाने के बाद एक ही जगह पर बैठे रहने से वजन बढ़ना शुरू हो जाता है। बहुत से लोगों का तांद बैठे रहने से बाहर निकल आती है, जिसको बाद में कम करने में बहुत परेशानी होती है। कुछ लोग तो इसके लिए डाइटिंग और यहां तक की घंटों जिम में समय बिताते हैं। जिसका नुकसान सेहत पर भी पड़ता है लेकिन यह बात भी सही है कि हैल्दी रहने के लिए खाना-पान का सही होना चाहिए। अधूरे पोषण से भी बाद में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि आप किस तरह के स्वैच्छक या फूड्स खा रहे हैं और उनमें कितनी कैलोरी है, जो आपको पोषण देने के साथ-साथ वजन को भी कंट्रोल रखेगी।

आइए जानते हैं कौन से हैं ये कम कैलोरी वाले फूड्स

1. सेब के साथ लें पीनट बटर इसे खाने से आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और वजन पर भी कंट्रोल बना रहेगा। आप दिन में 50

ग्राम सेब को काट उस पर पीनट बटर लगाकर खा सकते हैं। इससे मोटापा का डर नहीं रहेगा।

2. इन फलों का करें सेवन मोटापे को कम करने के लिए आप अपने आहार में कम कैलोरी वाले फल यानि अनानास, अंगूर और कीवी का सेवन करें। यह आपकी फालतु चर्बी को कम करने में काफी सहायक होंगे और पोषण तत्वों की मात्रा भी शरीर में बढ़ी रहेगी।

3. गाजर और मेयेनीज

बढ़ते वजन पर कंट्रोल पाने के लिए गाजर के टुकड़े और मेयेनीज का इस्तेमाल करें। यह सबसे कम फैट वाला आहार है। इससे टेस्ट भी बना रहेगा और वजन भी नहीं बढ़ेगा।

4. फल और दही

फलों को साथ दही भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आप 2 चम्मच ल्लूबेरी के साथ आधा कप दही खा सकते हैं। इसके अलावा भी फलों के साथ दही का सेवन करना अच्छा माना जाता है। यह शरीर में जमा एक्सट्रा फैट को कम करने का काम करता है।

बच्चों को झूठ बोलने से है रोकना तो करें ये काम

बच्चे बहुत नादान होते हैं। इनका पालन पोषण करना कोई आसान काम नहीं है। सही समय पर उनकी गलतियों को पहचान कर सुधारना पेंटेस का फर्ज होता है। कमी-कभार पेंटेस की डाट से बचने या किसी और कारण से बच्चे झूठ बोल देते हैं। शुरू-शुरू में छोटी-मोटी बात पर झूठ बोलना बाद में बच्चों की आदत बन जाता है। इसलिए पेंटेस का फर्ज है कि उन्हें सही तरीके से समझा कर उनकी इस आदत को दूर करें। जरूरी नहीं कि इसके लिए आप डांट या मार का सहारा लें। आप कई और तरीके अपना बच्चे को झूठ बोलने से रोक सकती हैं। आज हम आपका बताएंगे कि किस तरह आप बच्चे की आदत को दूर कर सकती है।

1. बनें रोल मॉडल

बच्चे ज्यादातर आदतें अपने पेंटेस से ही सीखते हैं। ऐसे में अगर आप उनके सामने छोटी-मोटी बातों को लेकर झूठ बोलेंगे तो वो भी ऐसा ही सीखेंगे। इसलिए बच्चों के सामने झूठ बोलने की अहसास करवाएं। इससे वो आपसे कबी झूठ नहीं बोलेगा।

बनें।

2. प्यास से समझाएं

अक्सर बच्चों के कुछ गलत करने पर आप उन्हें डांटने लग जाते हैं। इससे बच्चे डर कर आप से झूठ बोलने लग जाते हैं। इसलिए बच्चे अगर कोई गलती करें तो उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यास से समझाएं। इससे बच्चे का आप पर विश्वास बढ़ेगा और वो आपके खुद आकर अपनी गलती बता देगा।

3. हल निकालें

बच्चे की किसी गलती पर उसके साथ बैठकर उसका सही हल निकालें। इससे उसका आपके प्रति भरोसा बढ़ेगा और वो आपसे झूठ बोलने की बजाए सारी बातें आपको बताएंगा, फिर चाहें वो स्कूल या दोस्तों से जुड़ी क्यों न हो।

4. तारीफ करना

अगर बच्चा आकर आपके सामने अपनी गलती मानते हैं तो उन्हें डाट नहीं। इसकी बजाए उसके सच बोलने की तारीफ करें और उन्हें गलती का अहसास करवाएं। इससे वो आपसे कबी झूठ नहीं बोलेगा।

ग्रीन टी से बनाएं नैचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट्स, मिलेगा दोगुना ज्यादा निखार

आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर ग्रीन टी का सेवन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। आपने इससे होने वाले कई हैल्प बेनेफिट्स के बारे में सुना होगा लेकिन आज हम आपको इससे होने वाले ब्यूटी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। ग्रीन टी इस्तेमाल करके आप इससे कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स बना सकती हैं। इससे आपकी स्किन को नैचुरल गलो भी मिल जाएगा और कोई नुकसान भी नहीं होगा। एटी-इंफ्लेमेटरी के गुणों से भरपूर ग्रीन टी की ब्यूटी प्रोडक्ट्स की तरह इस्तेमाल आपकी स्किन की खूबसूरत को और भी बढ़ा देता है।

डालकर मॉइश्चराइजर लगाने के बाद टोनर की तरह इस्तेमाल करें।

2. स्क्रब

1 ग्रीन टी बैग को आधा कप पानी में उबालकर ठंडा कर लें। इसके बाद इसमें 1 टेबलस्पून चीनी मिलाकर चेहरे पर स्क्रब करें। इसे हल्के हाथों से रहड़ कर चेहरा धो लें। ध्यान रहें कि इसमें चीनी धूले नहीं।

3. हेयर ग्लैजर

सबसे पहले बालों को शैम्पू से धो लें। इसके बाद 2-3 ग्रीन टी बैग को उबाल कर उससे बालों को अच्छी तरह धो लें। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल बालों को मजबूत, लंबे और शाढ़ी बनाएगा।

4. एंटी-एजिंग क्रीम

एंटी-एजिंग क्रीम पानी में उबालकर ठंडा करके बोतल में डालें। अब 2 टेबलस्पून ग्रीन टी पानी में 1 टीस्पून विटामिन ए और यॉयल मिलाकर रोने से पहले लगा लें। हपते में दो बार इसका इस्तेमाल चेहरे की कई समस्याओं को दूर करता है।

5. फेस मार्क

ग्रीन टी बैग को पानी में उबाल लें। अब ऑयली स्किन के लिए इसमें मुलानी मिट्टी और ड्राय स्किन के लिए शहद मिलाएं। नॉर्मल स्किन के लिए इसमें संतरे के छिलके का पाउडर और शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं।





ऐश्वर्या राय ने आलिया भट्ट को लिया आड़े हाथ

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपने करियर के पीक पर हैं। वह एक बेहतीन अभिनेत्री हैं और अपने करियर में अब तक एक से बढ़कर फिल्में दे चुकी हैं। इन दिनों आलिया अपनी अपकर्मिंग फिल्म बद्धास्त्र को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या राय का एक चार साल पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह आलिया भट्ट की सरकरेस के बारे में बातें करती नजर आ रही हैं। दरअसल, ये वीडियो उस वर्क का है जब ऐश्वर्या राय अपनी फिल्म फन्ने खान के प्रमोशन के लिए पहुंची थी। इस दौरान ऐश्वर्या राय ने आलिया भट्ट के फिल्मी सफर के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि आलिया भले ही एक बेहतीन अभिनेत्री हैं, लेकिन उनको करण जौहर का साथ मिला है। क्योंकि उन्होंने ही आलिया को फिल्म में लॉन्च किया है। साथ ही एकट्रेस ने कहा की उन्होंने कहा था कि, मैं उनसे ये कहना चाहूँगी कि वे और आगे बढ़ें, ये काफी अच्छा है कि वे आगे बढ़कर सब जान रही हैं और सभी चीजों को खुशी से कर रही हैं और करें भी वयों न। शुरूआत से ही करण जौहर ने उन्हें सपोर्ट किया है, जिस वजह से उन्हें परेशानी नहीं हुई और बड़े ही कंफर्ट जोन में रहकर उन्होंने काम किया है। ऐश्वर्या राय ने ये तक कह दिया कि फिल्में आलिया भट्ट की गोद में आ जाती हैं। वही अब चार साल पुराना ये बयान सोशल मीडिया पर जमकर टवायरल हो रहा है और लोग अब इसे देखकर जमकर कमेंट भी कर रहे हैं।

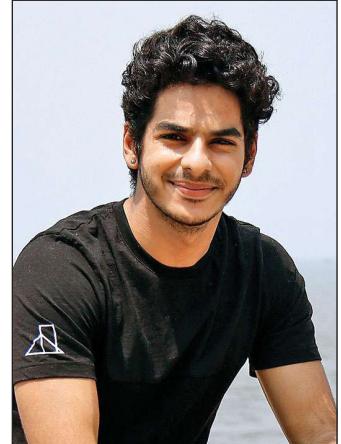


रणबीर का छलका दद्द

'शमशेरा' के पलॉप होने पर रणबीर कपूर ने पहली बार अपनी बात लोगों के सामने खुलकर रखी। रणबीर का कहना था कि फिल्म का कंटेंट अच्छा नहीं था, इसलिए दर्शकों को फिल्म नहीं पसंद आई। बता दें कि इस फिल्म में रणबीर कपूर के साथ साथ वाणी कपूर और संजय दत्त भी नजर आए थे। इस फिल्म से इन तमाम सितारों के साथ साथ फिल्म के मेरकर्स को भी काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों को खींच पाने में नाकाम साबित हुई। बता दें कि 'शमशेरा' के पलॉप होने पर इस फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाले संजय दत्त भी काफी मायूस हो गए थे। संजय दत्त ने अपने इस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा था, फिल्म शमशेरा एक सपना है जिसे हमने अपना सब कुछ दिया। फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए फिल्म बनाई जाती है और हर फिल्म को देर सवेरे दर्शक मिल ही जाते हैं, लेकिन शमशेरा को लोगों से काफी नफरत मिल रही है। फिल्म से कुछ ऐसे लोग भी नफरत कर रहे हैं जिन्होंने देखी भी नहीं है। संजय दत्त ने यह भी कहा था कि उन्हें बहुत भयानक लगता है कि लोग हमारी मेहनत की इज्जत नहीं करते।

अनन्या पांडे और ईशान खट्टर के दूटे रिश्ते का कौन था जिम्मेदार?

करण जौहर के शो में ईशान खट्टर ने भी लाइगर एकट्रेस अनन्या पांडे संग अपने रिलेशनशिप पर खुलकर बात करते दिखे। इस दौरान ईशान ने इस बात का खुलासा भी किया है अब वह सिंगल है। बता दें कि ईशान से पहले एकट्रेस अनन्या पांडे भी काफी विद करण में ईशान संग अपना रिश्ता कुबूल चुकी हैं। वहीं अब अभिनेत्री के बाद शाहिद के छोटे भाई ईशान ने भी अनन्या संग अपने रिश्ते को कुबूल किया। शो के दौरान करण जौहर ने बताया कि अनन्या पांडे ने ईशान



खट्टर से ब्रेकअप किया था। करण की इस बात पर ईशान ने कहा कि किसने किससे ब्रेकअप किया, इसका अब कोई मतलब नहीं है। वहीं अनन्या के साथ उनका रिश्ता कैसा है इस सवाल पर एकटर बोले, हाँ मेरा मतलब है, मैं उम्मीद करता हूं कि वह पूरी जिंदगी के लिए वह मेरी एक अच्छी दोस्त बनकर रहें। जितने लोगों को भी मैं जानता हूं, उन सब में वह बहुत अच्छी इंसान है। वह स्वीटहार्ट हैं। जो भी उनसे मिलता है, वह यही बात कहता है। वह बहुत प्यारी हैं और सभी सवालों को अलग रखते हुए मैं बताता हूं कि वह मुझे बहुत प्रिय हैं और हमेशा रहेंगी। बता दें कि अनन्या पांडे और ईशान खट्टर ने फिल्म खाली पीली में पहली बार एक दूसरे के साथ काम किया था।

